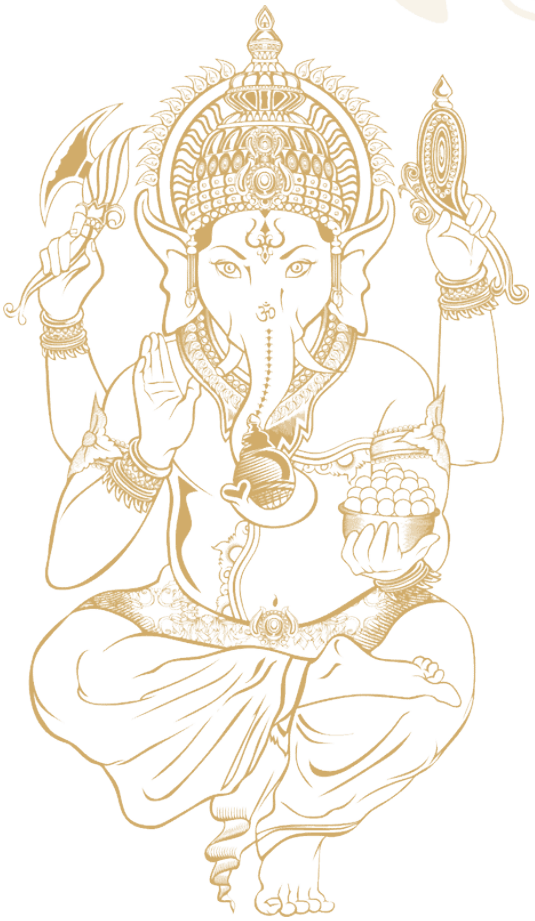

Mr.

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121544410

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/1997	जन्म तिथि	12/09/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:50:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 05:40:45	जन्म समय(घटी)	31:08:13 घटी
India	देश	India
Sikar	स्थान	Kota
27:51:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:14:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:42	सूर्योदय	06:10:53
19:20:00	सूर्यास्त	18:33:42
23:49:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 10वर्ष 8मा 23दि		17:02:39	मिथु	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
केतु		15:51:42	वृष	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
21/02/2025		09:08:11	मीन	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
22/02/2032		28:49:21	सिंह	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
केतु	21/07/2025	22:22:52	मेष	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
शुक्र	20/09/2026	27:57:47	मक	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
सूर्य	26/01/2027	01:11:01	मिथु	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
चन्द्र	27/08/2027	23:25:18	मीन	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
मंगल	23/01/2028	02:03:56	कन्या व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
राहु	09/02/2029	02:03:56	मीन व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
गुरु	16/01/2030	14:43:26	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
शनि	25/02/2031	05:54:57	मक व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
बुध	22/02/2032	10:15:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

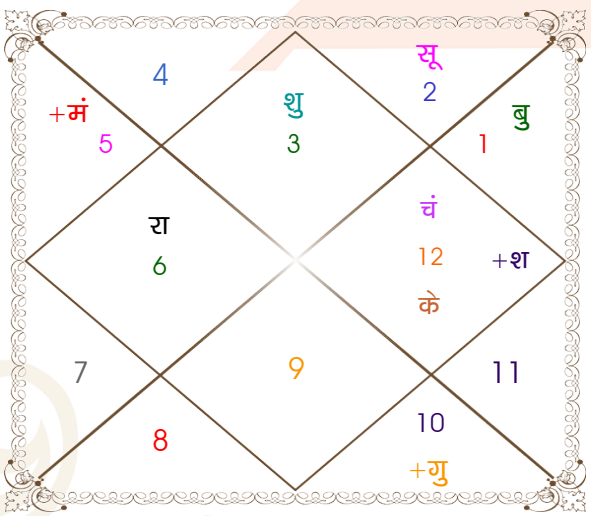

लग्न-चलित

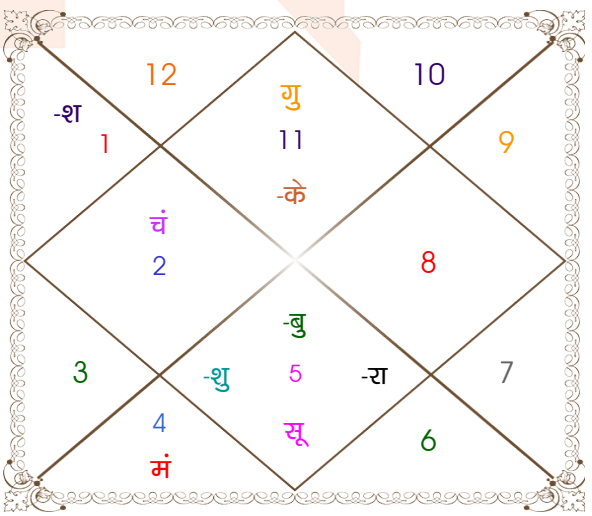

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार Mr. और V का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mr. तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।